दिनांक 31 अगस्त, 2017 को नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय, मेदनीनगर के तत्त्वावधान में आयोजित चांसलर ट्रॉफी कुश्ती प्रतियोगिता के अवसर पर आयोजित माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण

मुझे पलामू प्रक्षेत्र में स्थापित नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस समारोह में आप सभी के मध्य सम्मिलित होकर अपार एवं हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। राँची विश्वविद्यालय से वर्ष 2009 में विभाजित होकर सृजित यह विश्वविद्यालय महान स्वतंत्रता सेनानी एवं वीर सपूत नीलाम्बर एवं पीताम्बर के नाम पर स्थापित है। सर्वप्रथम मैं उन दो महान एवं वीर स्वतंत्रता सेनानी नीलाम्बर एवं पीताम्बर को नमन करती हूँ एवं उनके प्रति अपनी श्रद्धा–सुमन अर्पित करती हूँ।

प्राकृतिक एवं खनिज संपदा से परिपूर्ण झारखण्ड राज्य में विकास की असीम संभावनायें हैं। इस प्रदेश की जीवंत कला–संस्कृति ने इसे अनुपम सौंदर्य और समृद्धता प्रदान की है।...

...हमें अपनी बौद्धिक क्षमता व कुशलता से इसे और अधिक सुंदर व समृद्ध बनाना है क्योंकि बिना बौद्धिक संपदा के हम प्राकृतिक और खनिज संपदा का कुशलतापूर्वक समुचित उपयोग नहीं कर सकते। हमारे विश्वविद्यालय की भूमिका इस अर्थ में अहम है।

इस अवसर पर मैं कहना चाहूँगी कि इस क्षेत्र के सभी शिक्षण संस्थानों चाहे वो विद्यालय हो या महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय सभी को अपने को उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित करने की दिशा में समर्पण भाव से तत्पर रहना होगा। हम सबको इस क्षेत्र में शिक्षा एवं ज्ञान का ऐसा वातावरण सृजित करना है कि यहाँ से पढ़ने हेतु लोगों को पलायन करने पर विवश न होना पड़ें, बल्कि अन्य स्थानों से भी विद्यार्थी यहाँ ज्ञानार्जन के लिए आयें।

आठ वर्ष पूर्व स्थापित नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय को अपने को उत्कृष्ट विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने की दिशा में सामूहिक तौर पर गहनतापूर्वक ध्यान देना होगा। सत्र के नियमितीकरण, परीक्षा का समय पर संचालन तथा परीक्षाफल का समय पर प्रकाशन, विद्यार्थियों को अंक–पत्र सहित अन्य प्रमण–पत्र ससमय सुलभ कराने हेतु कुलाधिपति के रूप में मेरे द्वारा विशेष ध्यान देने हेतु निदेश दिया गया है तथा खुशी की बात है कि विश्वविद्यालय द्वारा इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। सभी विश्वविद्यालय का **Academic Calendar** समरूप हों तथा उसके अनुरूप कार्य हों, ऐसा प्रयास है। विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुलभ हो, इस दिशा में विश्वविद्यालय परिवार से सम्बद्ध सभी सदस्यों को ध्यान देने आवश्यकता है।...

...**Globalization** के इस युग में हमारे विद्यार्थियों में **competition** की भावना अधिक–से–अधिक विकसित करने की दिशा में सार्थक प्रयास हों तथा गुरू–शिष्य संबंध मधुर हो। हमारे विद्यार्थी शिक्षक के आचरण से प्रभावित हों। वे उन्हें अपना रोल मॉडल मानें, ऐसा प्रयास हो। शिक्षण संस्थानों में स्वच्छ एवं निर्भिक वातावरण हो। सर्वस्व ज्ञान की बात हो। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में **Basic Infrastructure** की उपलब्धता पर भी ध्यान देने की जरूरत है। इस विश्वविद्यालय का अपना परिसर हो, चांसलर के रूप में मैंने इसे अत्यन्त गंभीरता से लिया। राज्य सरकार को इस दिशा में ध्यान देने हेतु कहा गया। आशा करती हूँ कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय का अपना परिसर होगा।

साथ ही मैं अपेक्षा करती हूँ कि इस विश्वविद्यालय में बेहतर पुस्तकालय हो, प्रयोगशाला में सभी आवश्यक उपकरण सुलभ हों तथा शोध के स्तर में वृद्धि हों, **cut-paste** की प्रणाली न हो। हमारे शोधार्थी के मन तथा मस्तिष्क की बातें उनकी शोध में झलकनी चाहिये, ताकि ये शोध हमें प्रगति की राह में ले जाने हेतु मददगार साबित हो। **Globalization** के इस युग में शिक्षण संस्थानों में **Information Technology** के आयाम सर्वसुलभ हो। शिक्षण संस्थानों में स्वच्छ पेयजल सुलभ हों तथा लड़कियों–लड़कों के लिए **separate** शौचालय हो। **Hostel** की दिशा में भी ध्यान देना होगा। छात्र/छात्राओं के लिए कई प्रकार के छात्रवृत्ति योजना संचालित है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को इसका लाभ सुलभ कराने हेतु सदैव प्रयासरत रहें।

खेल प्रतिभा को विकसित करने की दिशा में चांसलर ट्रॉफी का आयोजन किया जा रहा है। खुशी की बात है कि नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय ने कुश्ती प्रतियोगिता की मेजबानी की। सभी जानते हैं कि झारखण्ड के लोगों में असीम खेल प्रतिभा निहित है। इसलिए उनकी प्रतिभा को विकसित करने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन महत्वपूर्ण है। इससे हमारे युवाओं के मनोबल को बढ़ावा मिलता है। लेकिन हमारे बच्चे यह भी ध्यान रखें कि पढ़ाई, अनुशासन, चरित्र, नैतिकता और मूल्य महत्वपूर्ण है। खेल एवं कला में वे रूचि रखें, लेकिन सही इंसान बनने के लिए इन चीजों को न भूलें।

मैं चाहती हूँ कि नीलाम्बर–पीताम्बर विश्वविद्यालय का गौरवशाली इतिहास हों तथा यहाँ के विद्यार्थी गुरूजन की सहायता से समाज की उम्मीदों पर खरा उतरें तथा स्वयं का नाम रौशन करने के साथ अपने राज्य और राष्ट्र को अपने कौशल से गौरवान्वित करें।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!